दोहा-प्रेम छुपाये न छुपे,जो घट परगट होय।
जा के मुख बोले नहीं,नैन देत हैं रोय।।

अब न पिया कुछ बोलेंगे,
दिल की दिल को कह लेंगे,कह लेंगे

1- तुमसे नहीं शिकवा कुछ भी-2
जैसे कहो हम रह लेंगे

2- अब कहने को है ही क्या-2
इश्क में खुद को डुबो लेंगे

3- माना कि है ये तेरा लाड पिया-2
लाड समझ कर सह लेंगे

Nijanand App